जनपद फ़तेहपुर की प्रस्तुति

संकलन

भारत के महान समाज सुधारक

1 - ईश्वर चन्द्र विद्यासागर
2 - राजा राममोहन राय
3 - स्वामी दयानन्द सरस्वती
4 - स्वामी विवेकानन्द
5 - बाबा आमटे
6 - डॉ भीमराव अम्बेडकर
7 - महात्मा ज्योतिबा फुले
8 - सर सैय्यद अहमद खां
9 - महादेव गोविन्द रानाडे
10 - आत्माराम पांडुरंग

मार्गदर्शन

श्रीमती नीलम सिंह भदौरिया
जनपद संयोजक फ़तेहपुर

संकलन- टीम मिशन शिक्षण संवाद।

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
05/08/2020

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर

दिन
बुधवार

महान दार्शनिक और सुधारक,
ईश्वर चन्द्र विद्यासागर।
विधवा पुनर्विवाह समर्थक,
नारी शिक्षा के प्रवर्तक।

संस्कृत भाषा के संरक्षक,
बांग्ल वर्ण माला निर्माणक।
आंग्ल भाषा के स्वीकारक,
धन्य हैं ऐसे महा विचारक।

बहुपत्नी और बाल विवाह,
सती प्रथा के भी अवरोधक।
आदिवासियों के कल्याणक,
निर्धन, दलितों के सहायक।

विधवा से जिसने करवा दी ,
अपने एकल तनय की शादी।
ऐसे करुणा के सागर को,
वन्दन, अर्चन और नमन है।

अर्चना गुप्ता (स.अ.)
उ.प्रा.वि. हाफिजपुर हरकरन
शिक्षा क्षेत्र- खजुहा
जनपद- फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक 07/08/2020

राजा राममोहन राय

दिन शुक्रवार

आधुनिक भारत का स्वप्न सजाया।
पाखंडों से बाहर निकलकर।।
सभी को धर्म का पाठ पढ़ाया।
सम्पूर्ण जनमानस से घुल मिलकर।।

स्वतंत्रता में जी जान लगाकर।
स्वतंत्रता का बिगुल बजाया।।
नारी सम्मान के लिए आगे आकर।
नारी को मान दिलाया।

आडम्बर, अंधविश्वास से लड़कर।
आगे बढ़ना सिखलाया।।
बाल विवाह के खिलाफ बोलकर,
बच्चों का बचपन बचाया।।

अनंत विरोधों से लड़कर भी।
ब्रह्म समाज को फैलाया।।
जाति भेद से आगे बढ़कर,
कर्म का मार्ग दिखाया।।

श्रीमती निर्मला सिंह
सहायक अध्यापक
पू० मा० वि० छीछा
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
08/08/2020

स्वामी दयानन्द सरस्वती

दिन
शनिवार

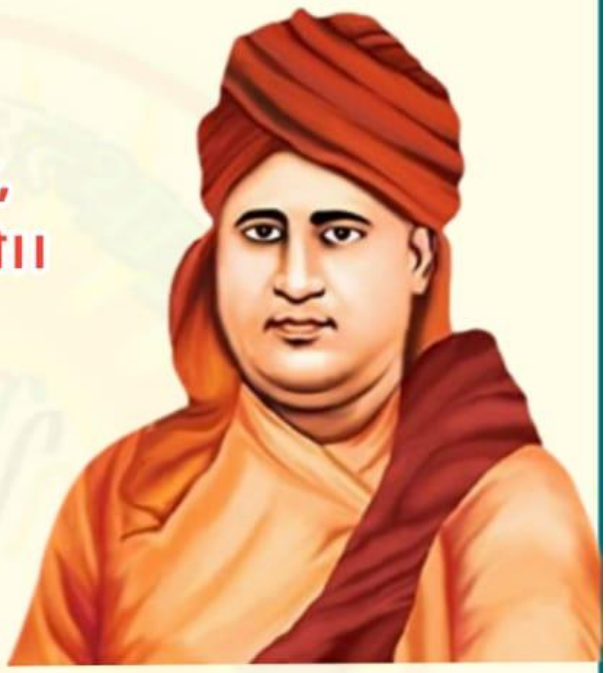

12 फरवरी 1924 को जन्में,
गुजरात के टंकारा में।
माँ अमृतबाई पिता अम्बाशंकर तिवारी,
बचपन नाम जिनका मूल शंकर तिवारी।।

आदि में दया है जिनके,
नाम के अन्त में आनन्द।
पूर्णानन्द से नाम मिला जिन्हें,
बने ऋषि दयानन्द।।

गुरु विरजानन्द से ज्ञान पाकर,
वेदों की ओर लौटो संदेश दिया।
आर्यसमाज की स्थापना कर,
मानवता का संदेश दिया।।

सत्यार्थ प्रकाश लिखा,
पाखण्ड खण्डिनी पताका फहराया।
जातिवाद, वर्णभेद व मूर्तिपूजा का,
पुरजोर विरोध किया।।

प्रियंका यादव
सहायक अध्यापक
प्रा० वि० खानपुर कदीम
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक 9/08/2020

स्वामी विवेकानन्द

दिन रविवार

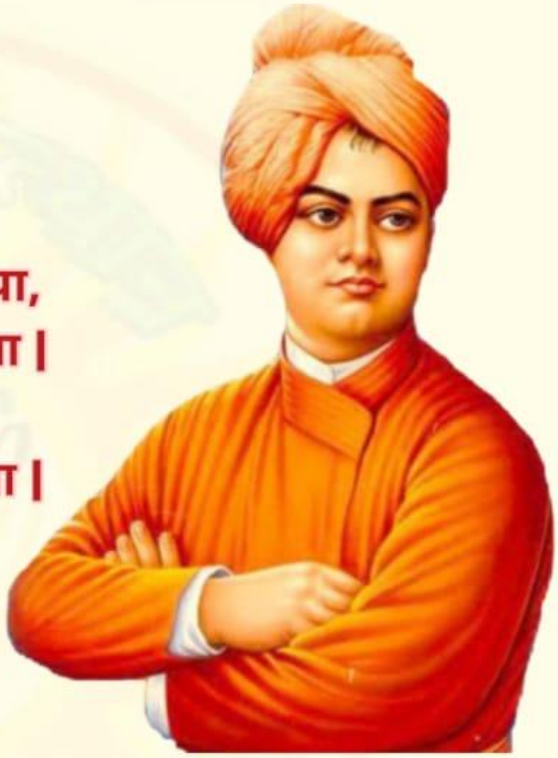

बंगाली कायस्थ परिवार कलकत्ता में जन्में,
विलक्षण प्रतिभा के धनी नटखट नरेन्द्रनाथ।
12 जनवरी दिवस था सन् 1863 में,
माता बनी भुवनेश्वरी पिता बने विश्वनाथ।

रामकृष्ण परमहंस को अपना गुरु बनाया,
वेदांत व राजयोग को जीवन में अपनाया।
शिकागो भाषण में हिन्दुत्व जगमगाया,
गूंज उठी तालियां भारत का मान बढ़ाया।

सनातन धर्म का किया इन्होंने प्रतिनिधित्व,
आध्यात्म में मिलता था इनको परमानन्द।
रामकृष्ण मिशन की इन्होंने नींव रखी,
आगे चलकर पड़ गया नाम विवेकानंद।

लक्ष्य प्राप्त करने का दिया संदेश युवाओं को,
जन्मदिवस मनाया जाता युवा दिवस के रूप में।
हिन्दू दर्शन के सिद्धान्तों का दिया ज्ञान विश्व को,
4 जुलाई सन् 1902 को त्यागी देह बेलूर में।

प्रतिभा गुप्ता
सहायक अध्यापक
उ. प्रा. वि.- खेमकरनपुर
विजयीपुर, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
10/08/2020

बाबा आमटे

दिन
सोमवार

महाराष्ट्र प्रान्त में जन्मे ,
मुरलीधर देवदास आमटे ।
समाज सेवा जिनका धर्म,
कहलाये वो बाबा आमटे।

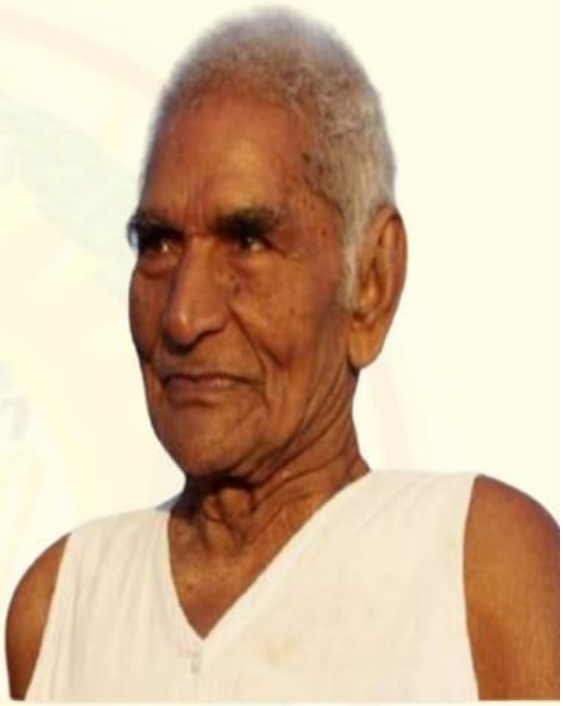

महात्मा गाँधी से प्रेरित ,
माता-पिता के थे चहेते ।
मिली जमींदारी विरासत,
पर रास न आई वकालत।

मसीहा बने कुष्ठ रोगियों के,
आनन्दवन के संस्थापक ।
ऐसे महान समाज सुधारक,
समर्पण सेवा भाव जिनका।

बाबा आमटे स्वतंत्रता सेनानी,
पद्मश्री विभूषण से अलंकृत ।
मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित,
शख्सियत को शत्-शत् नमन।

अनुप्रिया यादव
सहायक अध्यापक
उ.प्रा.वि. काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक 11/08/2020

डॉ भीमराव अम्बेडकर

दिन मंगलवार

लोकप्रिय भारतीय समाज सुधारक,
डॉ० बाबा साहेब अम्बेडकर जी।
14 अप्रैल 1891 में जन्मे बनकर उद्धारक,
महू, मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाया जी।

माता भीमाबाई, पिता राम जी शकपाल,
बुनियादी शिक्षा शुरू हुई शहर सतारा से।
स्नातक पढ़कर अम्बेडकर जी ने किया कमाल,
अमेरिका के कोलम्बिया विश्व विद्यालय से।।

सम्मान दिलाया समाज में अछूतों को,
दूर किया सामाजिक भेद-भाव को।
समता का अधिकार दिलाया महिलाओं को,
अस्पृश्यता से मुक्त किया समाज को।

शिल्पकार, निर्माता हैं भारतीय संविधान के,
अध्यक्ष हुए प्रारूप संविधान समिति के।
संघर्ष किया जाति व्यवस्था के विरोध में,
सम्मानित हुए सर्वोच्च नागरिक भारत रत्न से।

प्रतिमा उमराव
सहायक अध्यापक
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक 12/08/2020

महात्मा ज्योतिबा फुले

दिन बुधवार

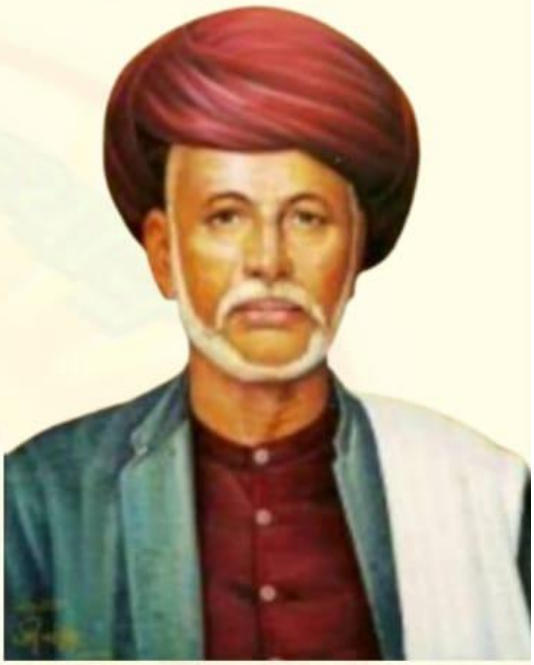

महाराष्ट्र राज्य के खानवाड़ी में,
जन्मे 'जोतिराव गोविंदराव फुले।
इनके आने से स्त्रियों के,
अच्छे दिन चल निकले।

कुप्रथाओं और कुरीतियों के,
अंत को लड़ी लड़ाई।
सन 1873 में फुले जी ने,
'सत्य शोधक समाज'की नींव रखाई।

पत्नी ' सावित्रीबाई फुले ' की,
शिक्षा पूर्ण कराई।
भारत देश की प्रथम शिक्षिका,
बाद में ये कहलाईं।

देश की प्रथम कन्या शाला का,
पुणे में निर्माण कराया।
स्त्री को शिक्षा का अधिकार,
महात्मा फुले ने ही दिलवाया।

उपासना कुमारी
सहायक अध्यापक
प्रा0 वि0 लमहिचा
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
13/08/2020

सर सैय्यद अहमद खां

दिन
गुरुवार

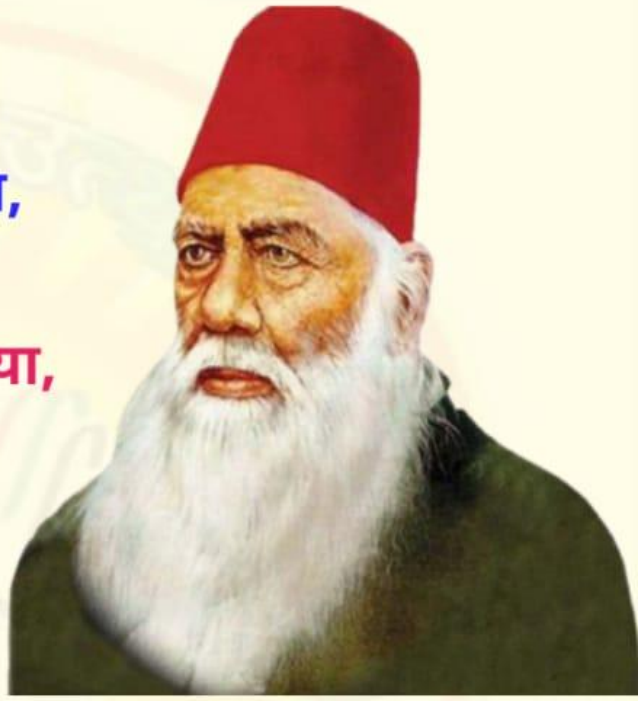

सर सैयद अहमद खां का नाम,
याद रखें हम उनके कलाम।
असबाब ए बग़ावत ए हिंद निकला,
अंग्रेज़ों से है, देश को बचाया।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाया,
इस देश के हर बच्चे को पढ़ाया।
तेहज़ीबुल अख़लाक़ के बानी थे,
कमज़ोर ग़रीबों के सानी थे।

इस्लामी कुरूतियों को दूर किया,
बच्चों की पढ़ाई पर ज़ोर दिया।
जो कुछ न मुमकिन था वो भी,
सर सैयद ने किया है वो भी।

सर सैयद अहमद खां के विचार,
हम देश भक्तों के हैं हथियार।
थे वो महान समाज सुधारक,
राष्ट्र कल्याण के थे प्रचारक।

आसिया फ़ारूक़ी
प्रधानाध्यापक
प्रा.वि.- अस्ती
नगर (फ़तेहपुर)

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
14/08/2020

महादेव गोविन्द रानाडे

दिन
शुक्रवार

गौरव गाथा न्यायविद इतिहासकार की,
बात हो रही समाजशास्त्री जस्टिस रानाडे की।
18 जनवरी 1842 को जन्म लिया,
और महादेव गोविन्द रानाडे नाम पड़ा।
कोल्हापुर से मुंबई तक करी पढ़ाई,
फिर मुम्बई हाई कोर्ट में न्याय किया।

रमाबाई के पति ने विधवा विवाह
और बालविवाह का विरोध किया,
कुरीतियों का मुँह तोड़ कर फिर
अंधविश्वास का भी किया विरोध।
गौरव गाथा उस न्यायविद इतिहासकार की,
बात हो रही.....

प्रार्थना समाज, आर्य समाज, ब्रह्म समाज
के नियमों का किया जीवन में समर्थन।
राष्ट्रवादी, न्यायप्रिय, समाज सुधारक बन कर
इंडियन नेशनल कांग्रेस के बने समर्थक।
गौरव गाथा उस न्यायविद इतिहासकार की
बात हो रही .....

मोनिका सिंह
सहायक अध्यापक
उ.प्रा.वि.- मलवां प्रथम
मलवां,फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
15/08/2020

आत्माराम पांडुरंग

दिन
शनिवार

यशोदाबाई यशवंत के पुत्र आत्माराम,
आजीवन करते रहे समाज कल्याण के काम।
नारी शिक्षा की उठाई थी आवाज,
स्थापित किया था प्रार्थना समाज।

अद्भुत प्रतिभा के धनी आत्माराम पांडुरंग,
उनके सतत प्रयासों से मिटे भेद-भाव के रंग।
संस्कृत मराठी के प्रबल थे ज्ञाता,
उनका यह मत था कि एक है विधाता।

चिकित्सक के रूप में भी बनाई पहचान,
भिवंडी में जनहित चलाया चेचक अभियान।
दादोबा के अनुज थे जाति प्रथा के शत्रु,
जातिवाद का अंत कर बने सभी के मित्र।

कुरीतियों को दूर कर,
बाल विवाह को रोका था।
"हक विधवा को जीने का नहीं"
इस पर समाज को टोका था।

शुभा देवी
सहायक अध्यापक
कंपोजिट विद्यालय- अमौली
जनपद- फतेहपुर।